



भारत सरकार Government of India



कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय / Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग / Department of Agriculture & Farmers Welfare

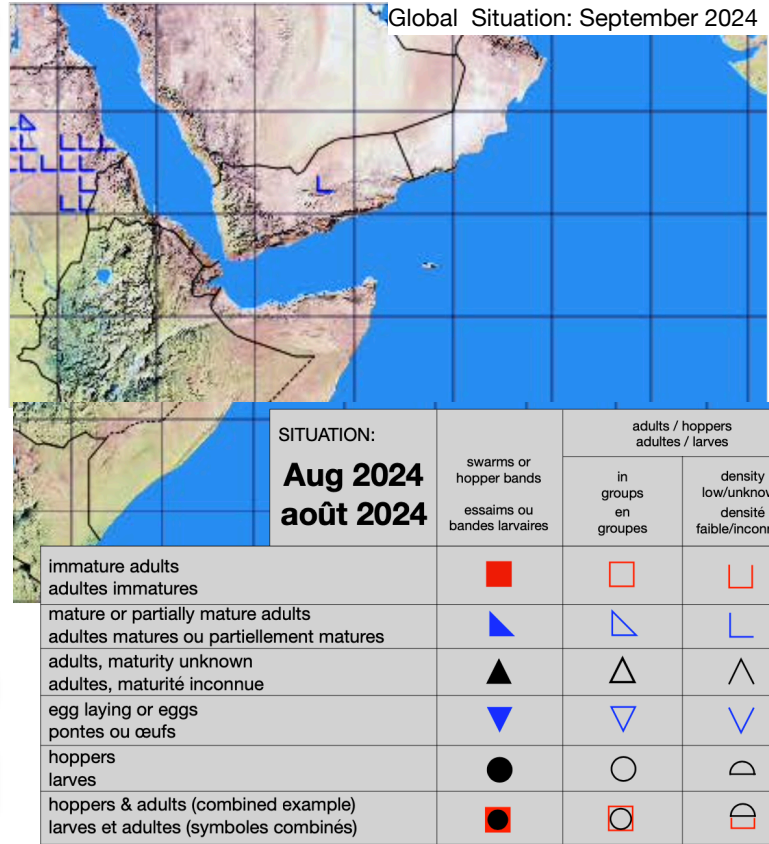
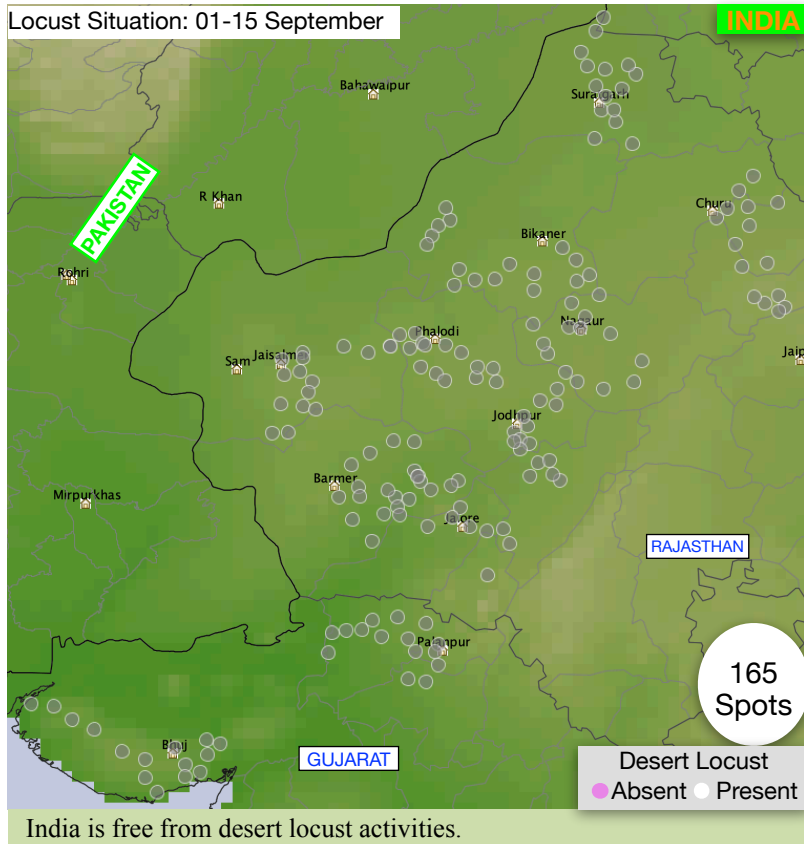
DESERT LOCUST SITUATION BULLETIN

Year 2024/No. 17

अवधि / Period 01-15 September 2024

LOCUST SITUATION: During the routine surveys, India (Scheduled Desert Area) found free from gregarious as well as Solitary locust activity during the **1st fortnight of September 2024**. **Total 165** nos. of spots were observed while conducting surveys which are plotted on the map.

टिड्डी की गतिविधियाँ : नियमित सर्वेक्षण के दौरान, भारत में (अनुसूचित रेगिस्तानी क्षेत्र) **सितंबर 2024 के प्रथम पखवाड़े** के दौरान सामूहिक और एकल टिड्डियों की गतिविधि से मुक्त पाया गया। सर्वेक्षण करते समय कुल 165 स्थानों का अवलोकन किया गया, जिन्हें मानचित्र पर दर्शाया गया है।

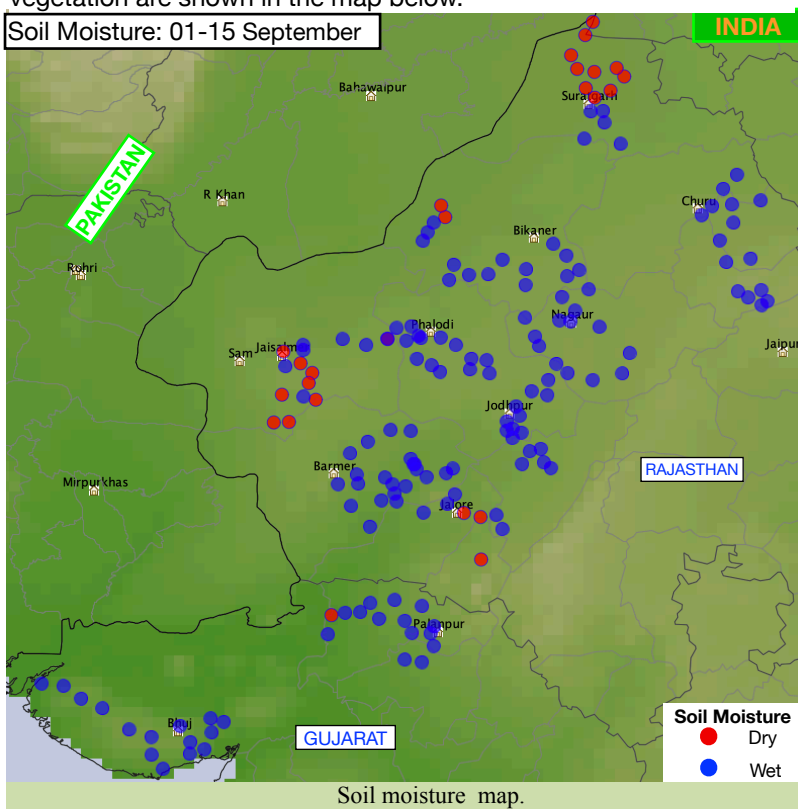


Swarm movement : Nil
Breeding : Nil
Hoppers : Nil
Solitary Isolated/ scattered mature/immature adults : Nil

SWAC Situation : A cyclone formed on 30 August near the coast of Gujarat, India and Sindh, Pakistan. One generation of limited breeding will continue along the Indo-Pakistan border, but numbers are not expected to increase significantly. The monsoon will withdraw towards the end of September in Rajasthan.

WEATHER AND ECOLOGY: During the survey in scheduled desert area the soil moisture found dry at few spots of **Jaisalmer and Suratgarh** and wet in all other surveyed locations. Vegetation was found green at all surveyed locations. Soil moisture and vegetation are shown in the map below.

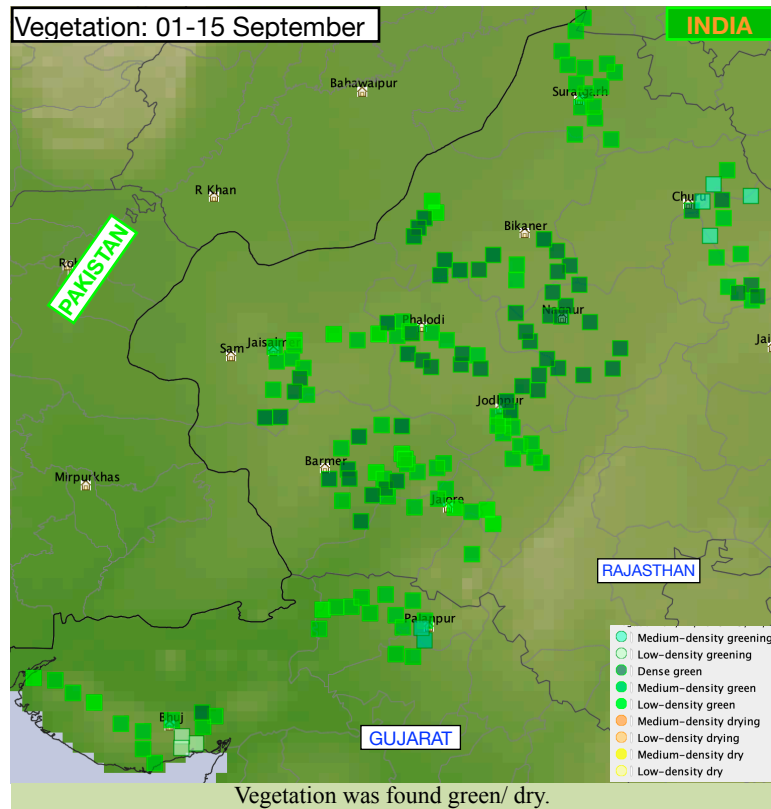
Soil Moisture: 01-15 September



Soil moisture map.

मौसम एवं परिस्थितिकी : अनुसूचित मरुस्थलीय क्षेत्र में सर्वेक्षण के दौरान **जैसलमेर और सुरतगढ़** के कुछ स्थानों पर मिट्टी की नमी सूखी और अन्य सभी सर्वेक्षण स्थानों पर गीली पाई गई। सर्वेक्षण किए गए सभी स्थानों पर वनस्पति हरी पाई गई। मिट्टी की नमी और वनस्पति को नीचे दिए गए मानचित्र में दिखाया गया है।

Vegetation: 01-15 September



Vegetation was found green/ dry.

FAO Update (03 September): Isolated adults in west and northeast of Chad, and one place in the central sahara of Algeria and a few Isolated hoppers in Mauritania. Scattered adults were present in northern and eastern Sudan and low numbers of adults were seen in the interior of Yemen. The first summer generation will continue where hopper numbers will increase slightly in the interior of Sudan and Yemen compared to western Eritrea and southern Egypt. New immature adults will form about mid-September onwards, followed maturing and laying after mid-October both in the interior as well as in the Red Sea and Gulf of Aden coastal areas. Few isolated adults in Pakistan. Limited small-scale breeding will continue along the Indo-Pakistan border until October, but numbers are not expected to increase significantly. Monsoon should withdraw around the end of September.

South West Asia Commission (SWAC) : Situation is calm in Iran, Pakistan, India and Afghanistan. In Pakistan, Few immature solitarius adults were seen in the Nara Desert southeast of Sukkur and also Cholistan near Islamgarh.

Forecast (India) : Ecological conditions become favourable for locust activity due to high rainfall and green vegetation in the Scheduled Desert Area, Moreover, no locust was seen during the survey. Therefore, the locust activity is not expected upto the next fortnight.

एफ. ए. ओ. अपडेट (03 सितंबर) : चाड के पश्चिम और उत्तर-पूर्व में पृथक वयस्क, और अल्जीरिया के मध्य सहारा में एक स्थान और मॉरिटानिया में कुछ पृथक हॉपर मौजूद थे। उत्तरी और पूर्वी सूडान में बिखरे हुए वयस्क मौजूद थे और यमन के अंदरूनी हिस्सों में वयस्कों की कम संख्या देखी गई थी। पहली ग्रीष्मकालीन पीढ़ी जारी रहेगी जहां पश्चिमी इरिट्रिया और दक्षिणी मिस्र की तुलना में सूडान और यमन के अंदरूनी हिस्सों में हॉपर की संख्या थोड़ी बढ़ जाएगी। नए अपरिपक्व वयस्क लगभग सितंबर के मध्य में बनेंगे, इसके बाद अक्टूबर के मध्य के बाद आंतरिक और साथ ही लाल सागर और अदन की खाड़ी के तटीय क्षेत्रों में परिपक्व और अण्डे होंगे। पाकिस्तान में कुछ अलग-थलग वयस्क हैं। अक्टूबर तक भारत-पाकिस्तान सीमा पर सीमित छोटे पैमाने पर प्रजनन जारी रहेगा, लेकिन संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद नहीं है। सितंबर के अंत तक मानसून वापस चला जाना चाहिए।

दक्षिण पश्चिम एशिया आयोग (एस.डब्ल्यू.ए.सी.) : ईरान, पाकिस्तान, भारत और अफगानिस्तान में स्थिति शांत है। पाकिस्तान में कुछ अपरिपक्व एकांकी वयस्कों को सुक्कुर के दक्षिण-पूर्व में नारा रेगिस्तान और इस्लामगढ़ के पास चोलिस्तान में देखा गया था।

पूर्वानुमान (भारत): अनुसूचित मरुस्थलीय क्षेत्र में अधिक वर्षा और वनस्पति हरी होने के कारण टिट्टियों की गतिविधि के लिए पारिस्थितिक परिस्थितियाँ अनुकूल हैं, लेकिन, सर्वेक्षण के दौरान कोई टिट्टी नहीं देखी गई। इसलिए, अगले पखवाड़े तक टिट्टियों की गतिविधि होने की उम्मीद नहीं है।

Photographs taken by surveyors



Jaisalmer



Nagaur